Q(11):→ सम - सीमान्त उपयोगिता नियम की व्याख्या करें। 9

"अथवा"

Marshall के अनुसार एक उपभोक्ता अधिकतम संतुष्टि कैसे प्राप्त करता है कि व्याख्या करें।

"अथवा"

Gossen के दूसरे नियम की व्याख्या करें।

"अथवा"

प्रतिस्थापन के "नियम" को व्याख्या करें।

"अथवा"

Marshall के अनुसार उपभोक्ता संतुलन की व्याख्या करें। Gossen का दूसरा नियम भी कहा जाता है।

Ans:- सम - सीमान्त उपयोगिता नियम को Gossen ने सबसे पहले उपयोगिता ह्रास नियम और बाद में सम - सीमान्त उपयोगिता नियम को रचना की थी।

सम - सीमान्त उपयोगिता नियम -

मार्शल के अनुसार, "यदि किसी व्यक्ति के पास कोई एक ऐसी वस्तु हो, जो विभिन्न प्रयोगों में लाई जा सके तो वह (वोह) उस वस्तु को विभिन्न प्रयोगों में इस प्रकार बाँटेगा कि उसकी सीमान्त उपयोगिता सभी प्रयोगों में समान रहे क्योंकि यदि वस्तु की सीमान्त उपयोगिता एक प्रयोग में दूसरे की अपेक्षा अधिक है तो वोह दूसरे प्रयोग से वस्तु की मात्रा हटाकर तथा उसका प्रयोग पहले में करके लाभ प्राप्त कर सकता है।"

"If a person has a thing which he can put to several uses, he will distribute it among these uses in such a way that has the same marginal utility in all the uses. For if it had a greater marginal utility in one use than another, he would gain by taking away some of it from the second use & applying it to the first."

सम-सीमान्त उपयोगिता नियम की मान्यताएँ: (ASSUMPTIONS OF THE LAW OF EQUI-MARGINAL UTILITY) :→ यह नियम कुछ मान्यताओं के ऊपर आधारित है। मुख्य मान्यताएँ निम्न प्रकार है —

1) उपभोक्ता का विवेकशील होना (Rational consumer) :- सम-सीमान्त उपयोगिता नियम इस मान्यता पर आधारित है कि उपभोक्ता विवेकशील प्राणी है। अर्थात प्रत्येक उपभोक्ता अपनी आय का सोच-समझकर व्यय करता है।

2) उपभोक्ता की रुचि, फैशन में परिवर्तन न होना (NO CHANGE IN FASION, TASTE) —

Scanned with CamScanner